मां लक्ष्मी के 108 नाम

क्र.	मां लक्ष्मी का नाम	अर्थ
1	प्रकृति	जो स्वयं प्रकृति स्वरूपा हैं
2	विकृति	जिन्हें हम विभिन्न नामों या रूपों से जानते हैं
3	विद्या	जो समस्त प्रकार की विद्याओं में विद्यमान हैं
4	सर्वभूतहितप्रदा	जो संसार के समस्त सुखों को प्रदान करती हैं
5	श्रद्धा	जिन्हें केवल सच्ची श्रद्धा द्वारा प्राप्त किया जा सकता है
6	विभूति	जो अपने भक्तों को धन-सम्पदा प्रदान करती हैं
7	सुरभि	जो सर्वोच्च देवी हैं और त्रिमूर्ति भी जिनकी आराधना करते हैं

8	परमात्मिका	जो तीनों लोकों की आराध्य देवी हैं
9	वाक्	जिनकी वाणी अमृत तुल्य है
10	पद्मालया	जो कमल पुष्प के आसन पर विराजमान हैं
11	पद्मा	जो कमल वर्ण वाली हैं
12	शुचि	जो स्वयं पवित्र हैं
13	स्वाहा	जो स्वयं आहुतिस्वरूपा हैं
14	स्वधा	जो स्वधा देवी के रूप में स्थित हैं
15	सुधा	जो स्वयं अमृत के रूप में विद्यमान हैं
16	धन्या	जो कृतज्ञता का मूर्त रूप हैं
17	हिरण्मयी	जिनकी आभा स्वर्ण के समान तेजपूर्ण है
18	लक्ष्मी	जो धन-ऐश्वर्य प्रदान करती हैं
19	नित्यपुष्टा	जो निरन्तर पुष्ट (शक्तिशाली) होती रहती हैं

20	विभावरी	जो अत्यन्त सुन्दर हैं एवं अनन्त तेज को धारण करने वाली हैं
21	अदिति	जिनकी कान्ति सूर्य के समान है
22	दिति	जो भक्तों की प्रार्थना का उत्तर हैं
23	दीपा	जिनका तेज सहस्र सूर्यों के समान है
24	वसुधा	जो भूमिदेवी के रूप में भक्तों का कल्याण करती हैं
25	वसुधारिणी	जो सम्पूर्ण पृथ्वी का भार धारण करती हैं
26	कमला	जो कमला पुष्प से प्रकट होने वाली देवी हैं
27	कान्ता	जो भगवान श्री विष्णु की अर्धाङ्गिनी हैं
28	कामाक्षी	जिनके नेत्र अत्यधिक आकर्षक एवं दिव्य हैं
29	क्षीरोधसम्भवा	जो भगवान विष्णु के साथ क्षीरसागर में निवास करती हैं
30	अनुग्रहप्रदा	जो नाना प्रकार के सुख प्रदान करती हैं

31	बुद्धि	जो स्वयं बुद्धिस्वरूपा हैं
32	अनघा	जो निष्पाप हैं
33	हरिवल्लभा	जो भगवान श्री हरि की धर्मपत्नी हैं
34	अशोका	जो दुःख का नाश करती हैं
35	अमृता	जो अमृत का मूल तत्त्व हैं एवं जो सागरमन्थन से अमृत के साथ प्रकट हुई थीं
36	दीप्ता	जो सदैव दीप्तिमान रहती हैं
37	लोकशोकविनाशिनी	जो समस्त सृष्टि की पीड़ा का शमन करती हैं
38	धर्मनिलया	जो धर्म की स्थापना करने वाली हैं
39	करुणा	जो दया एवं करुणा का सागर हैं
40	लोकमाता	जो सम्पूर्ण जगत की माता हैं
41	पद्मप्रिया	जिन्हें कमल पुष्प अति प्रिय हैं
42	पद्महस्ता	जिनके हाथ कमल पुष्प के समान हैं

43	पद्माक्षी	जिनके नेत्र कमल के समान हैं
44	पद्मसुन्दरी	जो कमल पुष्प की भाँति सुन्दर हैं
45	पद्मोद्भवा	जो कमल पुष्प से प्रकट होती हैं
46	पद्ममुखी	जिनका मुख कमल के समान है
47	पद्मनाभप्रिया	जो पद्मनाभ (भगवान विष्णु) की प्रियतमा हैं
48	रमा	जो भगवान विष्णु को प्रसन्न रखती हैं
49	पद्ममालाधरा	जो कमल पुष्पों की माला धारण करती हैं
50	देवी	जो सर्वशक्तिशाली हैं
51	पद्मिनी	जो क्षीरसागर में कमल पुष्प से प्रकट होने वाली देवी हैं
52	पद्मगन्धिनी	जिनकी कमल पुष्प के समान सुगन्ध है
53	पुण्यगन्धा	जो दैवीय सुगन्ध वाली हैं

54	सुप्रसन्ना	जो सदैव प्रसन्न एवं आनन्दित रहने वाली हैं
55	प्रसादाभिमुखी	जो सदैव भक्तों को वर प्रदान करने हेतु तत्पर हैं
56	प्रभा	जिनकी कान्ति सहस्रों देदीप्यमान सूर्यों के समान है
57	चन्द्रवदना	जिनका मुखमण्डल चन्द्रमा के समान है
58	चन्द्रा	जो चन्द्र की भाँति शान्त एवं शीतल हैं
59	चन्द्रसहोदरी	जो चन्द्रमा की बहन हैं
60	चतुर्भुजा	जो चार भुजाओं वाली हैं
61	चन्द्ररूपा	जिनका चन्द्र के समान रूप है
62	इन्दिरा	जो क्षीरसागर में सूर्य के समान देदीप्यमान हैं
63	इन्दुशीतला	जिनका स्वभाव चन्द्रमा के समान शान्त एवं शीतल है

64	आह्लादजननी	जो समस्त सृष्टि को आह्लादित करने वाली हैं
65	पुष्टि	जो भक्तों को स्वास्थ्य (आरोग्य) प्रदान कर पुष्ट रखती हैं
66	शिवा	जो अत्यधिक शुभ हैं
67	शिवकरी	जो सबका मंगल करती हैं
68	सत्या	जो परम सत्य हैं
69	विमला	जो अत्यन्त शुद्ध हैं
70	विश्वजननी	जो सम्पूर्ण चराचर जगत की माता हैं
71	तुष्टि	जो सांख्य दर्शन में कथित नौ तुष्टियों (चार आध्यात्मिक और पाँच बाह्य) की स्वामिनी हैं
72	दारिद्र्यनाशिनी	जो दरिद्रता को नष्ट करने वाली हैं
73	प्रीतिपुष्करिणी	जिनके नेत्र सुख प्रदान करने वाले हैं

74	शान्ता	जो श्रुतिस्वरूपा हैं
75	शुक्लमाल्याम्बरा	जो श्वेत पुष्पों की माला एवं श्वेत वस्त्र धारण करने वाली हैं
76	श्री	जो श्री (लक्ष्मी) एवं सौभाग्य प्रदान करती हैं
77	भास्करी	जो तीनों लोकों को प्रकाशित करने वाली हैं
78	बिल्वनिलया	जो बिल्ववृक्ष में निवास करती हैं
79	वरारोहा	जो भक्तों को इच्छित वर प्रदान करने हेतु सदैव तत्पर हैं
80	यशस्विनी	जो सम्पूर्ण सृष्टि में सम्मानीय एवं पूजनीय हैं
81	वसुन्धरा	जो पृथ्वी की पुत्री हैं
82	उदाराङ्गा	जो सुन्दर अंगों वाली हैं
83	हरिणी	जो हिरण के समान सुन्दर एवं सौम्य हैं
84	हेममालिनी	जो स्वर्ण का हार धारण करती हैं

85	धनधान्यकरी	जो धन-धान्य प्रदान करती हैं
86	सिद्धि	जो नाना प्रकार की सिद्धि प्रदान करती हैं
87	स्त्रैणसौम्या	जो मृदुस्वभाव वाली देवी हैं
88	शुभप्रदा	जो शुभफल प्रदान करती हैं
89	नृपवेश्मगता नन्दा	जिन्हें राजसी महल में निवास करना प्रिय है
90	वरलक्ष्मी	जो सुख-सुविधा प्रदान करती हैं
91	वसुप्रदा	जो धन-सम्पदा प्रदान करती हैं
92	शुभा	जो सफलता एवं सम्पन्नता प्रदान करती हैं
93	हिरण्यप्राकारा	जो स्वर्ण में निवास करती हैं
94	समुद्रतनया	जो क्षीरसागर की प्रिय पुत्री हैं
95	जया	जो विजय की देवी हैं
96	मङ्गलादेवी	जो अत्यन्त शुभ हैं

97	विष्णुवक्षस्स्थलस्थिता	जो भगवान श्री हरि विष्णु के हृदय में निवास करती हैं
98	विष्णुपत्नी	जो भगवान विष्णु की धर्मपत्नी हैं
99	प्रसन्नाक्षी	जिनकी दृष्टि प्रसन्नता से परिपूर्ण है
100	नारायणसमाश्रिता	भगवान नारायण जिनके आश्रय हैं
101	दारिद्र्यध्वंसिनी	जो दुख-दारिद्र्य को नष्ट कर देती हैं
102	देवी	जो सर्वशक्तिशाली हैं
103	सर्वोपद्रववारिणी	जो समस्त प्रकार के उपद्रवों को शान्त करती हैं
104	नवदुर्गा	जो नवदुर्गा के नौ रूपों में स्थित हैं
105	महाकाली	जो स्वयं महाकाली-स्वरूपा हैं
106	ब्रह्माविष्णुशिवात्मिका	जो त्रिमूर्ति (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) की प्रिय हैं

107	त्रिकालज्ञानसम्पन्ना	जिन्हें तीनों कालों (भूत, भविष्य, वर्तमान) का ज्ञान है
108	भुवनेश्वरी	जो 14 भुवनों की स्वामिनी हैं